an>

Title: Issue regarding imposing of one per cent exicise duty on Unbranded Gold Ornaments.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका अत्यन्त आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यन्त लोक महत्व के और तात्कालिक प्रश्न पर मुझे बोलने का अवसर दिया है। इस विषय पर मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। वित्त मंत्री जी ने अपने बजट के रिप्लाई में जिस तरीके से देश की जनता के समक्ष और देश के जो सर्राफा व्यापारी हैं, जो विगत 14 दिनों से हड़ताल पर थे, उनकी समस्याओं को एड्रेस करते हुए, उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने एक बात स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था, क्योंकि पिछले दिनों एक भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। जो एक पर्सेंट एक्साइज ड्यूटी अनब्रांडेड गोल्ड आर्नामेंट्स पर लगने की बात थी, तो उस पर एक भ्रम से एक हड़ताल शुरू हुई, जिसके कारण देश के लोगों को शादी-विवाह के समय दुकानें बंद होने के कारण आज लोगों को ज्वैलरी लेने में या चीजों के मिलने में कठिनाई हो रही है। उस संबंध में वित्त मंत्री जी ने कहा था कि अगर 12 करोड़ रूपए से ऊपर किसी का टर्न ओवर होगा, तभी उसको एक पर्सेंट की एक्साइज ड्यूटी देनी होगी। इससे जो लाखों हमारे ऐसे व्यापारी हैं, जिनका साल में 12 करोड़ रूपए का टर्न ओवर नहीं है, उनके ऊपर इस तरह की कोई एक्साइज ड्यूटी नहीं लगनी है। दूसरी यह बात कही गई थी सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम डिपार्टमेंट से कि इस संबंध में कानून को सिंपलीफाई किया जाए। यहां तक कहा गया था कि सेल्फ असेसमेंट भी, जो प्राइवेट रिकार्ड होगा, वह भी इसमें स्वीकार किया जाएगा उस परपज के लिए और जो स्टेट का वैट का रिकार्ड होगा, उस वैट के रिकार्ड को भी स्वीकार किया जाएगा।

हॉलमार्क के लिए जो बीआईएस है, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड है, उसको भी स्वीकार किया जाएगा, लेकिन इसके बावजूद भी आज भी देश में हड़ताल चल रही है। सौरतगढ़ हो, डरणी, डुमरियागंज उत्तर प्रदेश के हैं, हम लोगों को इसके संबंध में ज्ञापन दिए गए हैं। इस संबंध में आपके माध्यम से मैं सरकार से चाहता हूं कि भ्रम की स्थिति जिसके कारण यह हड़ताल चल रही है, एक तरफ वित्त मंत्री जी उदारतापूर्वक ...(व्यवधान) उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि इस संबंध में केवल सर्टेन लिमिट के ऊपर ही यह होगा। ...(व्यवधान)

माननीय सभापति : केवल विष्णु दयाल राम जी की बात रिकार्ड में जाएगी।

...(*Interruptions*)â€¦ *

माननीय सभापति : इसका रिप्लाई भी आ गया है जगदंबिका पाल जी। The hon. Minister has replied during the Budget discussion. Why are you taking such a long time?

â€¦(व्यवधान)

माननीय सभापति :

श्री पी.पी.चौधरी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री दहन मिश्रा,

डॉ. मनोज राजोरिया को श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।